



ताओ गैलरी में 'कला सप्तक' के विमोचन के मौके पर ( बायें से ) रवि कुमार, सैयद हैदर रजा, दिलीप पाडगांवकर, राजेंद्र दर्डा तथा अशोक वाजपेयी।

## भारतीय सामयिक कला का चेहरा—'कला सप्तक'

मनमोहन सरल

**मुख्यई।** ताओ आर्ट गैलरी में रंगों का मेला लगा था। यहां दरअसल, भारतीय सामयिक कला के सात प्रमुख चित्रकर्मियों का काम एक किताब और नुमाइश की शकल में नुमाया था। किताब का विमोचन मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की गैर मौजूदगी में गृह राज्यमंत्री राजेंद्र दर्डा ने किया। यही शुरुआत भी थी इन सातों चित्रकर्मियों के काम की प्रदर्शनी की। प्रदर्शनी 6 मार्च तक जारी रहेगी।

इसी संदर्भ में 'कला सप्तक' की चर्चा जरूरी है जिसमें तीन पीढ़ियों के सात चित्रकारों को संगीत के सात सुरों की तरह एक साथ रखा गया है। कवि-कला समीक्षक अशोक वाजपेयी के आलेख के साथ रवि कुमार ने एक पुस्तक प्रकाशित की है जिसके विमोचन के लिए इन सात

चित्रकारों के काम वरली स्थित ताओ गैलरी में लगाये गये हैं। इनमें से रजा, विश्वनाथन, राजेंद्र धवन और सुजाता बजाज तो पेरिस में रह कर ही काम कर रहे हैं।

अखिलेश और सीमा घुरैया भोपाल में काम करते हैं और सबसे युवा यानी तीसरी पीढ़ी के चित्रकार मनीश पुश्कले दिल्ली के हैं। लोकार्पण के मौके पर ही सुजाता और मनीश को इस साल का रजा पुरस्कार प्रदान किया गया (यह दिन रजा की 81 वीं वर्षगांठ का भी था) जबकि अखिलेश और सीमा पहले ही इस पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। मनीश का काम एकल प्रदर्शनी के रूप में पंडोल गैलरी में भी देखा जा सकता है।

संगीत के सात सुरों की तरह एक ही ताल में गुंथे इन सातों चित्रकारों को भी एक कड़ी पीढ़ियों के स्पष्ट अंतर के

बावजूद एक दूसरे से जोड़ती है। यही इस पुस्तक में व्यक्त किया गया है और ताओ में इन सबके चित्र अपने आप यह जाहिर करते हैं कि पीढ़ियों और उम्र के अंतर से प्रतिभावान और सज्जन कलाकर्म की अभिव्यक्ति की सघनता में फर्क नहीं होता।

एक ओर विदेश में रहने के बाद भी ये चार चित्रकार अपनी जन्मभूमि से जुड़े रह कर विश्वकला को मौलिक कला-रचनाएं दे रहे हैं जबकि शेष तीनों की चित्र-भाषा में भी यहां रहते हुए भी वही मुहावरा है जो उन्हें विश्वकला के धरातल पर ला खड़ा कर देता है। यद्यपि सबकी शैली अलग है, मौलिक है किंतु सबकी चित्र-भाषा एक है जो संगीत के सात सुरों की तरह अलग होते हुए भी एक ही राग उत्पन्न करती है। यही है इस कला सप्तक की परिकल्पना।